भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1709** जिसका उत्तर

शुक्रवार, **16 दिसम्बर**, 2022/25 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाना है

पत्तनों का आधुनिकीकरण

†1709. श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में पत्तनों के आधुनिकीकरण का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो ओडिशा सहित तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा ओडिशा में पारादीप और गोपालपुर पत्तनों के आधुनिकीकरण और क्षमता में वृद्धि करने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं; और

(घ) इस संबंध में कौन कौन से कदम उठाए गए हैं और इसके लिए वित्तीय प्रावधान क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): सागरमाला कार्यक्रम के हिस्से के रूप में लगभग 5.4 लाख करोड़ रु. की अनुमानित लागत वाली 800 से अधिक परियोजनाओं की पहचान की गई है। सागरमाला परियोजनाओं में मौजूदा पत्तनों और टर्मिनलों का आधुनिकीकरण, नए पत्तन, टर्मिनल, रो-रो एवं पर्यटन जेट्टियां, पत्तन कनेक्टिविटी में विस्तार, अंतर्देशीय जलमार्ग, दीपस्तंभ पर्यटन, पत्तन के निकट औद्योगीकीकरण, कौशल विकास, प्रौद्योगिकी केन्द्र आदि विभिन्न श्रेणियों की परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं को मुख्य रूप से सागरमाला के पांच खंडों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

पत्तन आधुनिकीकरण खंड के अंतर्गत लगभग 2.5 लाख करोड़ रु. की लागत वाली 241 परियोजनाओं का कार्यान्वयन शुरू किया गया हैं। मंत्रालय 1,191 करोड़ रु. की अनुमानित लागत वाली पत्तन आधुनिकीकरण की 20 परियोजनाओं का आंशिक रूप से वित्त-पोषण कर रहा है। कुल 20 परियोजनाओं में से 157 करोड़ रु. के मूल्य वाली 4 परियोजनाएं पूरी कर ली गई हैं तथा 868 करोड़ रु के मूल्य वाली 11 परियोजनाएं कार्यान्वयन के चरण में हैं। पत्तन आधुनिकीकरण परियोजनाओं का राज्यवार ब्यौरा **अनुबंध-1** में प्रदान किया गया है।

(ग) और (घ): पारादीप पत्तन में, पिछले 7 वर्षों के दौरान 3264 करोड़ रु. के मूल्य वाली 4 प्रमुख क्षमता वर्धन अवसंरचना परियोजनाएं कार्यान्वित की गई हैं। इन परियोजनाओं से पत्तन की क्षमता में 55 एमटीपीए की वृद्धि हुई है। पारादीप पत्तन पर पत्तन आधुनिकीकरण की परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध-II** में प्रदान किया गया है।

इसके अतिरिक्त, केप आकार के जलयानों की हैंडलिंग के लिए बीओटी आधार पर पश्चिमी डॉक के विकास सहित आतंरिक हार्बर सुविधाओं को गहरा और इष्टतम प्रयोग के योग्य बनाने का कार्य 3004.63 करोड़ रु. की अनुमानित लागत पर सौंपा गया है।

गोपालपुर, ओडिशा राज्य में स्थित अधिसूचित गैर-महापत्तन है। गैर-महापत्तन, संबंधित राज्य सरकारों के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन होते हैं। ओडिशा सरकार ने सूचित किया है कि गोपालपुर पत्तन का विकास और प्रचालन, गोपालपुर पत्तन लिमिटेड (जीपीएल) द्वारा बीओओएसटी आधार पर पीपीपी मोड के माध्यम से किया गया है। अतः, गोपालपुर पत्तन को आधुनिक बनाने और उसकी क्षमता में वृद्धि करने का दायित्व जीपीएल का है।

अनुबंध-I

सागरमाला कार्यक्रम के तहत पत्तन आधुनिकीकरण संबंधी आंशिक रूप से वित्त-पोषित परियोजनाओं का राज्यवार ब्यौरा

राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	परियोजनाओं की संख्या	परियोजना लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृत निधियां (करोड़ रु. में)
आंध्र प्रदेश	1	86	43
दमन और दीव	2	92	46
गोवा	1	14	7
कर्नाटक	3	263	74
केरल	4	72	57
महाराष्ट्र	2	184	92
पुदुच्चेरी	1	44	44
तमिलनाडु	5	356	147
पश्चिम बंगाल	1	81	40
कुल योग	**20**	**1191**	**550**

अनुबंध-II

पारादीप पत्तन पर पत्तन आधुनिकीकरण संबंधी परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र.सं.	परियोजना का नाम	परियोजना की लागत (करोड़ रु. में)	संवर्धित क्षमता
1	बीओटी आधार पर कंटेनरों सहित स्वच्छ कार्गो हैंडलिंग के लिए बहु-उद्देशीय बर्थ का विकास	431	5 एमटीपीए
2	बीओटी आधार पर लौह-अयस्क के निर्यात की हैंडलिंग के लिए नई लौह-अयस्क बर्थ का विकास	740	10 एमटीपीए
3	बीओटी आधार पर ईक्यू 1- ईक्यू 2 और ईक्यू 3 बर्थों का यंत्रीकरण	1438	30 एमटीपीए
4	बीओटी आधार पर आयातित कोयले की हैंडलिंग के लिए नई कोयला बर्थ का विकास	656	10 एमटीपीए

*****